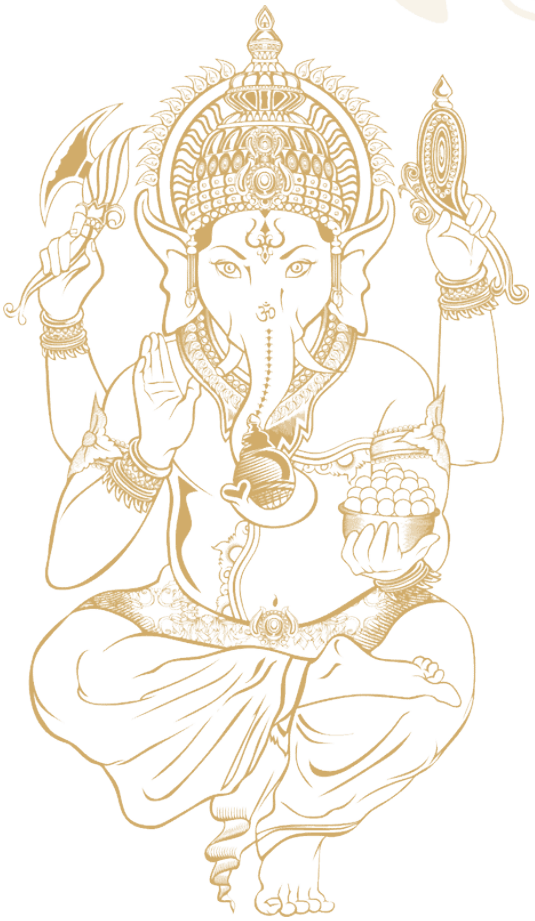

Beby

15 Feb 2026

07:53 PM

Rohtak

Model: web-freekundliweb

Order No: 121334507

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/02/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**19:53:00 घंटे**
इष्ट	32:06:16 घटी
स्थान	**Rohtak**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	28:54:00 उत्तर
रेखांश	76:38:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:23:28 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	19:29:32 घंटे
वेलान्तर	-00:14:08 घंटे
साम्पातिक काल	05:11:57 घंटे
सूर्योदय	07:02:29 घंटे
सूर्यास्त	18:13:05 घंटे
दिनमान	11:10:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	02:41:04 कुम्भ
लग्न के अंश	25:13:27 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	25:13:27	316:38:12	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	बुध	---
सूर्य			कुंभ	02:41:04	01:00:37	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			मक	10:02:32	12:40:04	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मक	23:57:52	00:47:13	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	मंगल	उच्च राशि
बुध			कुंभ	19:54:06	01:24:49	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	मंगल	सम राशि
गुरु	व		मिथु	21:45:37	00:04:30	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	12:14:59	01:15:06	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	मित्र राशि
शनि			मीन	05:57:07	00:06:40	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:45:04	00:01:29	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:45:04	00:01:29	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:17:40	00:00:37	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	06:21:29	00:01:58	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:55:32	00:01:48	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	24:43:56	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:27

लग्न-चलित

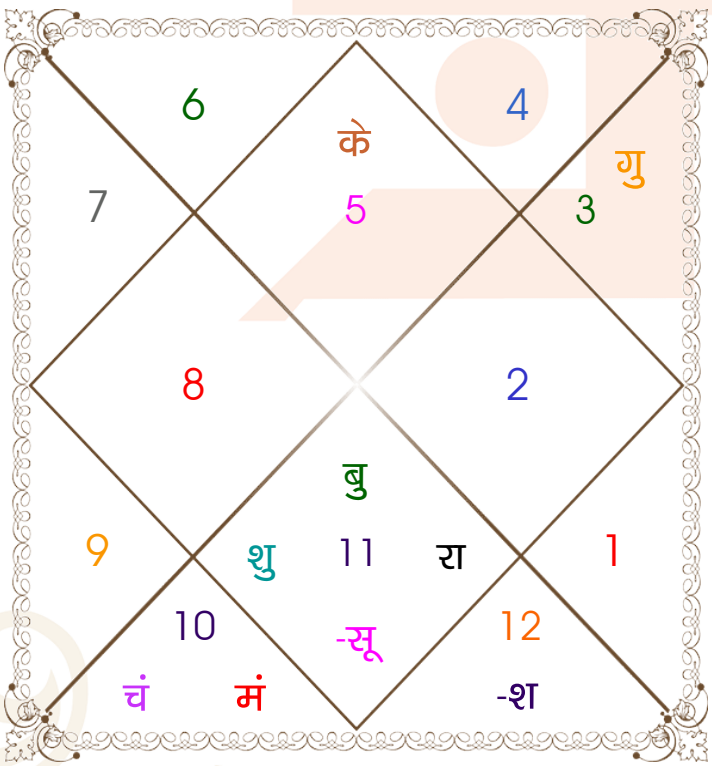

चन्द्र कुंडली

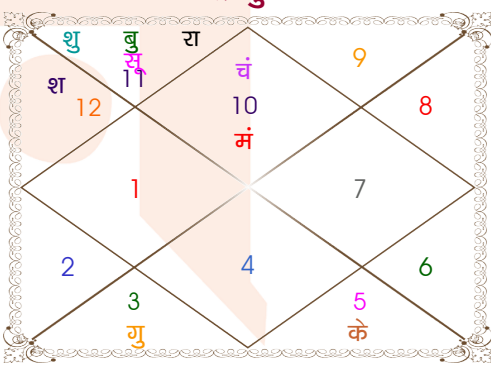

नवमांश कुंडली

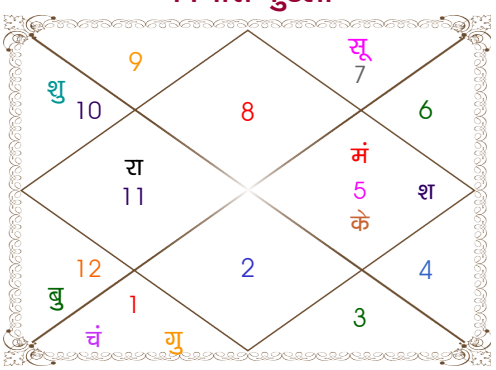

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 9 वर्ष 11 मास 18 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
15/02/2026		04/02/2036		04/02/2043		03/02/2061		03/02/2077	
04/02/2036		04/02/2043		03/02/2061		03/02/2077		04/02/2096	
चंद्र	05/12/2026	मंगल	02/07/2036	राहु	17/10/2045	गुरु	25/03/2063	शनि	07/02/2080
मंगल	06/07/2027	राहु	21/07/2037	गुरु	12/03/2048	शनि	05/10/2065	बुध	17/10/2082
राहु	04/01/2029	गुरु	27/06/2038	शनि	17/01/2051	बुध	11/01/2068	केतु	26/11/2083
गुरु	06/05/2030	शनि	06/08/2039	बुध	05/08/2053	केतु	17/12/2068	शुक्र	26/01/2087
शनि	05/12/2031	बुध	02/08/2040	केतु	24/08/2054	शुक्र	18/08/2071	सूर्य	08/01/2088
बुध	06/05/2033	केतु	29/12/2040	शुक्र	23/08/2057	सूर्य	05/06/2072	चंद्र	08/08/2089
केतु	05/12/2033	शुक्र	28/02/2042	सूर्य	18/07/2058	चंद्र	05/10/2073	मंगल	17/09/2090
शुक्र	06/08/2035	सूर्य	06/07/2042	चंद्र	17/01/2060	मंगल	11/09/2074	राहु	24/07/2093
सूर्य	04/02/2036	चंद्र	04/02/2043	मंगल	03/02/2061	राहु	03/02/2077	गुरु	04/02/2096

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
04/02/2096		04/02/2113		05/02/2120		05/02/2140		05/02/2146	
04/02/2113		05/02/2120		05/02/2140		05/02/2146		00/00/0000	
बुध	03/07/2098	केतु	04/07/2113	शुक्र	07/06/2123	सूर्य	25/05/2140	चंद्र	16/02/2146
केतु	30/06/2099	शुक्र	03/09/2114	सूर्य	06/06/2124	चंद्र	23/11/2140		00/00/0000
शुक्र	01/05/2102	सूर्य	09/01/2115	चंद्र	05/02/2126	मंगल	31/03/2141		00/00/0000
सूर्य	07/03/2103	चंद्र	10/08/2115	मंगल	07/04/2127	राहु	23/02/2142		00/00/0000
चंद्र	06/08/2104	मंगल	06/01/2116	राहु	07/04/2130	गुरु	12/12/2142		00/00/0000
मंगल	03/08/2105	राहु	23/01/2117	गुरु	06/12/2132	शनि	24/11/2143		00/00/0000
राहु	20/02/2108	गुरु	30/12/2117	शनि	05/02/2136	बुध	30/09/2144		00/00/0000
गुरु	28/05/2110	शनि	08/02/2119	बुध	06/12/2138	केतु	04/02/2145		00/00/0000
शनि	04/02/2113	बुध	05/02/2120	केतु	05/02/2140	शुक्र	05/02/2146		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 9 वर्ष 11 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में हुआ था। आपके जन्म काल सिंह लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश तथा मेष राशीय द्रेष्काण भी उदित था। सिंह लग्न के उपयुक्त संयोजन से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि यदि आप सतर्कता पूर्वक समुचित योजनानुसार कार्यारम्भ करे तो आप अपने जीवन में निश्चित रूप से सफल होंगे। लेकिन आपके लिए धन-उपार्जन के स्रोत अनिवार्य हैं। यदि आय के स्रोत में कोई व्यवधान उपस्थित हुआ तो यह संभव है कि आप की समस्याएं संघर्षपूर्ण होकर आपके जीवन पथ को समृद्धिशाली बनाने में समस्याओं के साथ मुठभेड़ करना पड़े।

वर्त्तमान काल वास्तविक संयोजन का स्वरूप ऐसा चित्रित हो रहा है कि आपके जीवन का स्वरूप उत्तम, अधम एवं अप्रिय प्रतीत होगा। वर्त्तमान काल जो ग्रह आपके धनोपार्जन हेतु प्रतिकूल है उनका उच्च प्रभावी होना आवश्यक है अन्यथा आपकी उच्च स्थिति एवं आनन्द प्राप्ति के मार्ग अवरूद्ध हो जाएंगे तथा आपको आवश्यकता की पूर्ति हेतु महत्वपूर्ण धनोपार्जन के लिए कोई समझौता करना पड़ेगा। आप किसी प्रशासनिक पद पर कार्यरत होने के लिए सक्षम है। किसी निगम एवं बड़ी कम्पनी के निदेशक पद पर कार्य हेतु योग्य है। समाज में आपका प्रभाव रहेगा आपको धन, प्रतिष्ठा एवं सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

सिंह लग्न सदैव ही उचित दिशा निर्देश करता है। सिंह लग्न प्रभावी पुरूष का जीवन छलकपट से युक्त, आडम्बर एवं असन्तोषयुक्त तथा आशा प्रत्याशा दिलानेवाला होता है। यह धन उपार्जन करने वाला उत्तम पारिवारिक जीवन से युक्त होता है। आप सदैव दो गुणों से पूर्ण अर्थात् उत्तम स्वास्थ्य से युक्त एवं आनन्दित रहेंगे। परन्तु अप्रत्यक्ष रूप से वृद्धावस्था में ऐसा अवसर आ सकता है कि आप आंशिक रूप से हृदय रोग अथवा मेरू दण्डीय समस्याओं से ग्रसित हों जाएं। क्योंकि आपके व्यस्ततम कार्यक्रम एवं उत्तेजनापूर्ण मनोदशा ही आपको रोगग्रस्त कर सकता है।

परन्तु वृश्चिक नवमांश बिन्दु भिन्न प्रकार से आपके जीवन की छवि को प्रस्तुत करता है कि आपके अंग में आंशिक दोष जन्मकाल से ही रोग के रूप में प्रभावी है।

अस्तु! आपको समुचित रूप से क्रमबद्धतापूर्वक अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहना चाहिए ताकि रोग के प्रभाव से मुक्त रह सकें। आपकी कुण्डली का नवमांश फल यह प्रदर्शित करता है कि आप अच्छा जीवन व्यतीत करेंगे। आपके लिए विशेष विचारणीय तथ्य यह है कि आपको स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रह कर समुचित रूप से ध्यान देना चाहिए। जितनी भी संभावना हो सतर्कतापूर्वक मन में शांति एवं निर्विध्न रूप से विश्राम ग्रहण कर भोजनादि पर नियंत्रण रक्खें तथा हानिकारण मद्यपान का परित्याग करें। अन्य वांछनीय तथ्य यह है कि आपको सावधानी पूर्वक अपना जीवन संचालन करना चाहिए। अस्तु आप स्वास्थ्य संबंधी किसी भी प्रकार की समस्याओं के प्रति उचित आहार विहार का सेवन करे।

आपको अनावश्यक रूप से किसी भी प्रकार की परेशानियों के प्रति सजग रहना

चाहिए। आपमें विभिन्न प्रकार के प्रभावशाली गुण विद्यमान हैं। यदि आप सुव्यवस्थित रूप में इन गुणों को व्यवहृत करें तो आप धनी हो सकते हैं। आपको राय दी जाती है कि आप अपने धन कोष का परीक्षण करें क्योंकि आप जनताओं के मध्य उपस्थित होकर बहुतायत में धन का व्यय करेंगे। यदि आप संप्रति इस प्रकार मुक्त हस्त से व्यय करते रहे तो बाद में पश्चात् करना पड़ सकता हैं क्योंकि आपका धन बर्बाद हो चुका होगा।

आपके पास प्यारी पत्नी, श्रद्धाप्रदायक पुत्र से युक्त पारिवारिक भवन होगा। आप पर्याप्त आर्थिक धनोपार्जित स्रोतों से युक्त अधिकारपूर्ण शान-शौकत से युक्त आरामदायक जीवन बिताने के साधन से सफल होंगे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक लाभदायक प्रमाणित होगा। परन्तु अंक 2, 7 और 8 अंक किसी भी परिस्थिति में आपके लिए अनुपयुक्त है।

आपकों नीला, काला एवं सफेद रंग का परित्याग कर, रंग, नारंगी, लाल और हरे रंग का वस्त्रादि धारण करना चाहिए। ये रंग आपके लिए लाभदायक है।